एक नजर में

कृषक कल्याण वर्ष 2026 में पीएम कुसुम योजना से अन्नदाता बन रहे हैं ऊर्जादाता

कसरावद, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा कृषक कल्याण वर्ष 2026 में किसानों को 'अन्नदाता' के साथ-साथ 'ऊर्जादाता' बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी अनुक्रम में 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' की अवधारणा पर कार्य करते हुए पीएम-कुसुम योजना के माध्यम से अन्नदाता अक्षय ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर ऊर्जादाता बन रहे हैं, जिससे कृषकों को ऊर्जा सुरक्षा, आय में वृद्धि और प्रदूषण में कमी जैसे लाभ प्राप्त हो रहे हैं। खरगोन जिले के कसरावद निवासी कृषक श्री सुरेन्द्र पाटीदार ने पीएम-कुसुम योजना घटक-ए के अंतर्गत ऊर्जा विकास निगम के माध्यम से आवेदन कर अपने खेत में 2 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना की और वे आज एक सफल ऊर्जादाता बने हैं। 6 एकड़ क्षेत्रफल में स्थापित इस वृहद संयंत्र से 40 लाख यूनिट विद्युत का वार्षिक उत्पादन संभव है। संयंत्र की स्थापना के लिए उन्हें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से 6.65 करोड़ रुपए का ऋण स्वीकृत हुआ है, शेष धनराशि की व्यवस्था उन्होंने स्वयं की है। मप्र पावर मैनेजमेंट कंपनी ने सुरेन्द्र पाटीदार के साथ आगामी 25 वर्षों तक 3.25 रुपए प्रति यूनिट की दर से विद्युत खरीद का अनुबंध किया है, जिससे सुरेंद्र पाटीदार को स्थिर आय की सुरक्षा प्राप्त हुई है। इस संयंत्र में प्रतिदिन औसत 11 हजार यूनिट और प्रतिमाह औसत 3 से 3.5 लाख यूनिट ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है, जिससे उन्हें 10 से 11 लाख रुपए प्रतिमाह की बिलिंग हो रही है। ऋण की किश्त और अन्य व्यय हटा कर प्रतिमाह 3 लाख रुपए का मुनाफा हो रहा है। इस सौर ऊर्जा संयंत्र के डिजाइन, खरीद और निर्माण कार्य के लिए सुरेंद्र पाटीदार ने इंदौर की ईपीसी कंपनी सोलरश्योर की सेवाएं ली हैं। सुरेन्द्र पाटीदार का कहना है कि संयंत्र की स्थापना से उन्हें सुरक्षित और आवर्ती आय प्राप्त हो रही है, जिसके लिए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आभारी हैं। उन्होंने बताया कि सौर ऊर्जा संयंत्र का रखरखाव बहुत आसान है, पैनल के नीचे की घासफूस की नियमित छटाई और पैनल की नियमित रूप से धुलाई की जानी होती है, जिसमें किसी कुशल श्रम की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष इसी खेत में टमाटर उगाए थे, परन्तु मौसम की मार से काफी नुकसान हुआ था। उनकी आगामी अप्रैल-मई माह में सौर पैनल के नीचे अदरक की खेती करने की योजना है। ईपीसी कंपनी सोलरश्योर के सीईओ श्री भावेश पाटीदार ने बताया कि पीएम कुसुम ए अंतर्गत खरगोन जिले में सुरेंद्र पाटीदार के संयंत्र के अलावा एक दर्जन अन्य निर्माणाधीन संयंत्र सहित पूरे प्रदेश में 300 मेगावाट के 130 अन्य पीएम कुसुम ए प्रोजेक्ट इनकी देखरेख में जारी हैं। पीएम कुसुम योजना घटक-ए में कृषक, सहकारी समिति, पंचायत अथवा कृषक उत्पादक संगठनों द्वारा बंजर, परती, दलदली या कृषि योग्य भूमि पर 2 मेगावाट तक की क्षमता वाले सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा सकते हैं। रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार बैंकों द्वारा पीएम कुसुम घटक-ए के लिए कृषकों को आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

माचलपुर में है खाटू श्याम महाराज का भव्य मंदिर

बड़वाह, निप्र। शहर से करीब 15 किमी दूर छोटी माचलपुर में खाटू श्याम महाराज का भव्य मंदिर है। यह मंदिर बेहद कम समय में श्याम भक्तों की आस्था का केंद्र बन गया है। श्री श्याम मंदिर माचलपुर धाम तहसील बड़वाह के अंतर्गत आता है। खाटू श्याम के भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्रबनता जा रहा है। मंदिर में प्रतिष्ठित खाटू श्याम जी की प्रतिमा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगता है। प्रत्येक एकादशी पर तो यहां अब श्रद्धालुओं की तादाद इतनी अधिक हो चली है कि शाम से रात तक मन्दिर में दूर-दूर तक श्रद्धालु ही नजर आते है ऐसे में प्रशासन को चाहिए कि प्रत्येक एकादशी पर सुरक्षा व्यवस्था और यातयात व्यवस्था को संभालने के लिए पुलिस जवानों की तैनाती की जाए।

निशान यात्रा के साथ श्याम भक्तों की भव्य पैदल यात्रा निकलेगी :- करने वाला श्याम कराने वाला श्याम भक्तों ने बताया कि श्री श्याम मंदिर माचलपुर भक्तों के द्वारा 27 फरवरी को (आमलकी एकादशी होने के अवसर पर एक दिवसीय श्री श्याम निशानोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। सुबह 9 बजे गांव के समीप माता जी मंदिर, ग्राम बंजारी से माचलपुर धाम तक करने वाला श्याम कराने वाला श्याम भक्तों के द्वारा पैदल निशान भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। उसके पूर्व सुबह 6 बजे से भव्य हवन महाआरती सम्पन्न होगी। यात्रा के दौरान ढोल बैंड बाजे ध्वज पताका निशान को हाथों में श्याम भक्तों के द्वारा मंदिर परिसर पहुंचेंगे।

वृन्दावन की होली श्याम भक्तों द्वारा खेली जाएगी :- मंदिर भक्त गणों ने बताया कि चलो रे माचलपुर धाम आयो फागणियो का अवसर होने पर श्याम भक्तों के द्वारा 27 फरवरी शुक्रवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक वृंदावन होली गुलाल होली संकीर्तन' में पूरा दरबार झूमेगा। खाटू श्याम जी की होली वृंदावन जैसी धूमधाम से मनाई जाएगी। इस दौरान भक्त जमकर इत्र, गुलाल और फूलों की होली खेल खाटू श्याम को श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। भगवान श्री कृष्ण की श्रृद्धा में लोग जमकर झूमते नजर आते हैं. इस झांकी में आज सैकड़ों लोग होली खेलकर भगवान की आराधना करेंगे आमलकी एकादशी पर भव्य रास लीला का आयोजन होगा मंदिर समिति बाबूलाल पटेल ने बताया कि आमलकी एकादशी पर भव्य रास लीला का आयोजन अंकुश कुशवाह आर्ट ग्रुप वृंदावन के कलाकारों के द्वारा रात्रि 8 बजे प्रभु ईच्छा तक रंगारंग फूलों की होली के उत्सव पर भगवान श्री कृष्ण की लीला राधा कृष्ण स्वरूपों द्वारा ब्रज का मंचन किया जाएगा। साथ ही बरसाना की लड्डू होली, बरसाना नंदगांव की लट्ठमार होली का आयोजन होगा। क्षेत्र की श्याम प्रेमी जनता से आग्रह है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील कि।

अमित सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब के तहसील अध्यक्ष घोषित

खरगोन, निप्र। सेंट्रल इंडिया प्रेसक्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार दास, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद गुर्जर की अनुशंसा पर संरक्षक मनोज रघुवंशी की सहमति से जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश रामणेकर ने जिले में सेंट्रल इंडिया प्रेसक्लब के तहसील अध्यक्ष पदों की घोषणा की है। सक्रिय एवं अनुभवी पत्रकार अमित भटोरे को खरगोन तहसील अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं सेवकराम चौबे कसरावद, कृष्णलाल विश्वकर्मा महेश्वर, सन्तोष वर्मा करही, अमित जोशी बड़वाह, श्याम जोशी सनावद, कौशल उपाध्याय बेडिया, तपन गुप्ता भीकनगांव, सुधीर यादव झिरन्या, सुभाष टाके बिस्टान, विनोद जायसवाल भगवानपुरा, दीपक गुप्ता सेंगाव, सौरभ राठौड़ गोगावां को तहसील अध्यक्ष बनाया गया।

जय श्रीराम...जयघोष से गूंजा विधायक का गृहग्राम टेमला

ग्राम के 500 लोग रामलला के दर्शन को एक साथ अयोध्या के लिए हुए रवाना

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र। विधायक एवं पूर्व कृषि राज्यमंत्री बालकृष्ण पाटीदार के गृह ग्राम टेमला में गुरुवार की सुबह अन्य दिन की सुबह से अलग नजर आई। यहां गांव की हर गली भोर होते ही जय श्री राम के जयघोष एवं हरे राम. हरे राम, हरे कृष्ण. हरे कृष्णा के संकीर्तन से गुंजायमान हो उठी। आकाशीय आतिशबाजी से गांव जगमगा उठा। अवसर था मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मस्थल अयोध्या जा रही दर्शन यात्रा का।

यह पहला अवसर होगा जब समूचा गांव एक साथ धार्मिक यात्रा के लिये रवाना हुआ। यह यात्रा ग्राम में श्रीकृष्ण चैतन्य संकीर्तन मंडल के पिछले 50 वर्षों से प्रतिमाह अनवरत जारी हरे राम, हरे कृष्ण संकीर्तन के 50

वर्ष पूर्ण होने के निमित्त निकाली गई। यात्रा रवानगी पर विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने तीर्थ यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह तीर्थयात्रा राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के बाद से एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, धर्म जागरण और सामाजिक समरसता की यात्रा होगी। आप सब को एक साथ दर्शन का अवसर मिल रहा है यह सौभाग्य की बात है। आयोजन समिति में शामिल युवा उद्यमी एवं समाजसेवी नितिन पाटीदार ने बताया जय श्री राम के जयघोष के साथ भक्तों का जत्था रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या धाम के लिए रवाना हो रहा है। राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से ही लोगों में अपार उत्साह है।

यह यात्रा गांव की सामाजिक एकता का प्रतीक...

इस यात्रा में गांव के हर घर का एक व्यक्ति शामिल हुआ है। रामलला के दर्शन की ललक भक्तों के चेहरे पर साफ नजर आई। भक्तों के आने-जाने, ठहरने, चाय. नाश्ता और भोजन की व्यवस्था समिति ने की है। गांव से करीब 500 ग्रामीण जिसमें रामकथा अयोजन समिति के सदस्य भी शामिल है। गुरुवार तड़के 5 बजे गांव के श्रीराम मंदिर में दर्शन के बाद रवाना यात्रा रवानगी हुई। यात्रा से पहले गांव में ढ़ोल. मंजीरे के साथ भजन- कीर्तन करते हुए प्रभातफेरी के रुप में श्रद्धालू यात्रा वाहनों तक पहुंचेंगे। इस यात्रा के लिए एक दर्जन स्लीपर कोच बसों के साथ ही चार ट्रेवलर और चार पहिया वाहनों की व्यवस्था की गई है। इस ऐतिहासिक यात्रा के दौरान 27 एवं 28 फरवरी 2 दिन अयोध्या धाम में सरयू नदी स्नानए

जानकी महलए जनक महलए दशरथ महलए श्री हनुमान गढ़ी एवं प्रभु श्री राम जी के भव्य, दिव्य दर्शन कर आस्था की डुबकी लगाकर रामभक्ति से सराबोर होगा। उल्लेखनीय है कि रामलला के दर्शन की ललक और गहरे उत्साह के साथ भक्त अयोध्या जा रहे है। 22 जनवरी 2024 के बाद से, देश भर से श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है, जिसमें ढोल-नगाड़ों के साथ भजन-कीर्तन करते हुए भक्त सरयू तट पर स्नान के बाद रामलला के दर्शन के करते है।

मंडलेश्वर से धरगांव जाएगी श्री श्याम ध्वज यात्रा

मंडलेश्वर, निप्र। धार्मिक नगरी मंडलेश्वर एक बार फिर श्रीश्याम की भक्ति मे डूबने वाली है।श्री श्याम अलबेली सरकार के पावन सानिध्य में श्री श्याम ध्वज यात्रा का भव्य आयोजन 28 फ़रवरी को किया जा रहा है। 2023 मे नगर के श्याम भक्तों द्वारा शुरू की गई यह यात्रा अब बड़ा रूप ले चुकी है यात्रा का यह चौथा वर्ष है। भक्तों की अटूट आस्था और समर्पण का प्रतीक है यह पावन ध्वज यात्रा शनिवार को दोपहर 2:30 बजे मंडलेश्वर से प्रारंभ होकर पावन तीर्थ श्री सांवलिया धाम (धरगांव) तक पहुंचेगी। यात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु ध्वज लेकर जयकारों के साथ शामिल होंगे। पूरे मार्ग में भजन-कीर्तन, पुष्प वर्षा एवं स्वागत द्वारों से वातावरण भक्तिमय बना रहेगा। यात्रा के दौरान श्याम नाम की गूंज से नगर का वातावरण धर्ममय हो उठेगा। श्रद्धालु जन पारंपरिक वेशभूषा में, हाथों में ध्वज लिए, उत्साह एवं श्रद्धा के साथ यात्रा में सहभागिता करेंगे। विभिन्न स्थानों

पर जलपान एवं प्रसादी की भी व्यवस्था की जाएगी।इस धार्मिक आयोजन का सफल संचालन श्री श्याम सेवा समिति मंडलेश्वर द्वारा किया जा रहा है। समिति ने समस्त श्याम प्रेमियों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर यात्रा को सफल बनाने का आग्रह किया है।यह ध्वज यात्रा न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक समरसता, एकता और धर्मभावना का संदेश भी देती है।

त्योहारों को लेकर शांति समिति की बैठक

कसरावद, निप्र। गुरुवार शाम थाना परिसर में आगामी त्यौहार होली, धुलेंडी, रंगपंचमी एवं रमज़ान को ध्यान में रखते हुए शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य क्षेत्र में शांति, सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना रहा। और साथ ही बैठक में यह

बताया गया कि होली के दूसरे दिन धुलेंडी को नगर मे गाढ़ा खिचाई की परंपरा निभाई जाती है। जो इस वर्ष चंद्र ग्रहण के कारण 4 मार्च को परंपरा का निर्वहन किया जाएगा।

भाईचारा बनाए रखने की अपील

बैठक में तहसीलदार कैलाश डामोर, नायब तहसीलदार मुकेश मचार, थाना प्रभारी राजेंद्र बर्मन तथा कनिष्ठ अभियंता डी एस खांडेकर सहित नगर के गणमान्य नागरिक और अन्य मौजूद रहे। अधिकारियों ने सभी समुदायों से आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की।

9 थाने, 1 एसडीओपी ऑफिस और 1 चौकी को मिला आईएसओ सर्टिफिकेट

खरगोन, निप्र। जिले के 9 पुलिस थाने, 01 एसडीओपी कार्यालय एवं 1 चौकी को आईएसओ प्रमाणित का दर्जा मिला है। इस उपलब्धि पर पुलिस लाइन में समारोहपूर्वक प्रमाण- पत्र का वितरण किया गया। डीआईजी सिद्धार्थ बहुगुणा एवं एसपी रविन्द्र वर्मा ने बड़वाह, सनावद, बेडिया, मेनगांव, बरुड़, गोगावां, ऊन, भगवानपुरा एवं भीकनगांव पुलिस थाने के साथ ही एसडीओपी कार्यालय बड़वाह एवं चौकी सेगांव को आईएसओ

9001-2015 प्रमाणन का औपचारिक वितरण किया गया। इस दौरान डीआईजी ने कहा कि जिन पुलिस थाना, चौकी और एसडीओपी कार्यालय को यह सर्टिफिकेट नही मिला है, वह भी प्रयास करें कि इस सर्टिफिकेट प्राप्त करने को लेकर तय मानकों पर वे खरे उतरे और वे भी इस गौरवांवित करने वाले प्रमाण पत्र से पुरुस्कृत हो सकें। डीआईजी ने पुलिस अधिकारियों सहित कर्मचारियों सीख देते हुए कहा कि वे अपने- अपने थाना, पुलिस चौकी में आने वाले फरियादी से मधुर व्यवहार रखें। उनकी समस्या धैर्य और संयम के साथ सूने। यह सर्टिफिकेट इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर स्टैंडर्डाइजेशन अर्थात अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन द्वारा विश्व की किसी भी संस्था में उच्च स्तर के कागजातों के रखरखाव, उच्च स्तर का समन्वय, उच्च स्तर की सुविधा एवं व्यवस्थाएं सहित कर्मचारी एवं जन सामान्य के लिए उच्च स्तर की सुनवाई व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए दिया जाता है।

बिस्टान मुक्तिधाम का कब होगा उद्धार, शोकसभा में उठी मांग

बिस्टान, निप्र। नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत इंद्रावती के तट पर स्थित नगर के मुख्य मुक्तिधाम की दुर्दशा का मामला नगर के किराना व्यवसायी राम भावसार के अंतिम संस्कार पर आयोजित शोकसभा में उठा। शोकसभा में मुक्तिधाम के समुचित विकास की मांग की गई। इसपर नप की निर्माण समिति के सभापति ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।भारतीय पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष व पूर्व भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्रकाश भावसार ने शोकसभा को संबोधित करते हुए नगर परिषद बिस्टान से मुक्तिधाम पर स्वच्छता, पौधरोपण, बाउंड्री वॉल, जल अंजली स्थल, पानी की टंकी, छायादार शेड आदि के निर्माण की मांग रखी। उन्होंने शोकसभा में उपस्थित समाजजन की ओर से नगर परिषद की निर्माण समिति के सभापति प्रहलादसिंह वास्कले को पार्टी के घोषणापत्र अनुसार

मुक्तिधाम के सर्वांगीण विकास के वादे का स्मरण कराते हुए उक्त विषय को गंभीरतापूर्वक हल करने की मांग की। श्री भावसार ने उक्त कार्य में समयदान देने सहित समाज की ओर से भी सहयोग का आश्वासन भी दिया। भावसार क्षत्रिय समाज बिस्टान के अध्यक्ष अनिल भावसार ने कहा मुक्तिधाम के विषय में समाज की ओर से शीघ्र ही नगर परिषद अध्यक्ष व सीएमओ को ज्ञापन सौंपा जाएगा। कुनबी पाटिल समाज बिस्टान के युवा कार्यकर्ता जितेंद्र सिंधिया, दिलीप पाटिल सहित उपस्थित अन्य समाजजन ने भी पाटिल समाज की ओर से ज्ञापन सौंपने की बात कही। समाजसेवी अखिलेश वर्मा ने कहा हमारे द्वारा भी इस दिशा में पहल की जा रही है। शोकसभा में उपस्थित नागरिकों व समाजजन ने जय श्रीराम के उद्घोष के साथ मुक्तिधाम की उद्धार का संकल्प लिया। इस अवसर पर सभापति श्री वास्कले ने कहा बिस्टान मुक्तिधाम के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाकर परिषद की बैठक में रखेंगे। शीघ्र ही इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

सनावद : बड़वाह नर्मदा ब्रिज जल्द हो सकता है शुरू

सनावद, निप्र। इंदौर-एदलाबाद नेशनल हाईवे (NH) पर सनावद-बड़वाह के बीच नर्मदा नदी पर बन रहे ऐतिहासिक मोरटक्का (नर्मदा) ब्रिज का एक बड़ा हिस्सा अब ट्रैफिक के लिए तैयार हो चुका है। एनएचएआई (NHAI) ने बुधवार को ब्रिज के एक हिस्से का लोड टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसमें पुल को पूरी तरह सुरक्षित पाया गया। समाचार स्रोतों के अनुसार, शनिवार (28 फरवरी) से ब्रिज की एक लेन (ट्रायल रन के तौर पर) वाहनों के लिए खोल दी जाएगी। शुरुआत में धनगांव से उमरिया तक नियंत्रित गति से हल्के और भारी वाहन गुजर सकेंगे। डामरीकरण का काम अंतिम चरण में है, और ठेकेदारों ने इसे युद्ध स्तर पर पूरा किया है। यह 1275 मीटर लंबा सिक्स-लेन ब्रिज (लागत करीब 140 करोड़ रुपये) खंडवा-इंदौर सफर को क्रांतिकारी बदलाव देगा - पहले 3.30-4 घंटे लगने वाला रास्ता अब सिर्फ 2 घंटे में पूरा हो सकेगा। ब्रिज से सनावद और बड़वाह को बायपास कर वाहन सीधे आ निकल सकेंगे, जिससे शहरों में ट्रैफिक जाम काफी कम होगा। एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर आशुतोष सोनी ने पहले बताया था कि फरवरी में टू-लेन चालू होगा, लेकिन ग्राउंड रियलिटी में अभी एक लेन से शुरुआत हो रही है। अप्रैल 2026 तक बलवाड़ा से शाहपुर तक 145 किमी का पूरा हाईवे सेक्शन खोलने की योजना है। हालांकि, स्थानीय लोगों और यात्रियों की शिकायत है कि ढकलगांव मार्ग पर ओवरब्रिज और कनेक्टिंग रोड का काम अभी अधूरा है। मुख्य ब्रिज पर एक तरफा आवागमन शुरू होने से नर्मदा क्रॉसिंग आसान होगी, लेकिन सनावद से जुड़ने वाले मार्ग पर ट्रैफिक समस्या बनी रहेगी। मार्च अंत तक पूर्ण दोनों तरफा आवागमन (सभी लेन) की उम्मीद कम है, क्योंकि कार्य गति और अन्य तकनीकी कारणों से डिले की आशंका बनी हुई है। एनएचएआई अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए चरणबद्ध तरीके से ओपनिंग की जा रही है।

एक नजर में

शिव विवाह का वर्णन होते ही भक्तजन भजन-कीर्तन पर झूमते, गाते और नृत्य करते नजर आए

शिव महापुराण कथा में गूंजा शिव-पार्वती विवाह प्रसंग, श्रद्धालु हुए भावविभोर

नवभारत न्यूज

बड़वाह, निप्र। नगर में चल रही 108 कुण्डीय श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ एवं शिव महापुराण कथा के छठे दिवस शिव-पार्वती विवाह का बहुप्रतीक्षित प्रसंग कथावाचक द्वारा भावपूर्ण ढंग से सुनाया गया। यह वही दिव्य प्रसंग है, जिसका श्रद्धालु लंबे समय से बेसब्री से इंतजार करते हैं। कथा के दौरान पांडाल में भक्ति और उल्लास का अद्भुत वातावरण बन गया। शिव विवाह का वर्णन होते ही भक्तजन भजन-कीर्तन पर झूमते, गाते और नृत्य करते नजर आए। पूरा परिसर 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठा, जिससे माहौल और भी भक्तिमय हो गया। इसके पूर्व कथावाचक स्वामी रामकृष्ण दास जी महाराज ने शिव महापुराण के छठे दिवस पर पार्वती अवतरण का पावन प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि पूर्व जन्म में सती ने अपने पिता दक्ष के यज्ञ में अपमानित होकर देह त्याग दी थी। वही आदिशक्ति जगत कल्याण हेतु हिमालयराज और माता मैना के यहां पार्वती के रूप में अवतरित हुईं। बाल्यकाल से ही पार्वती का मन भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए समर्पित था। उन्होंने कठोर तप, उपवास और निरंतर शिव-आराधना कर देवताओं को भी चकित कर दिया। महाराज ने कहा कि पार्वती का अवतरण यह संदेश देता है कि सच्ची भक्ति, धैर्य और संकल्प से भक्त भगवान को भी प्रसन्न कर सकता है। इसी अवसर पर शिव-पार्वती विवाह का दिव्य प्रसंग भी भावपूर्ण ढंग से वर्णित किया गया। कथावाचक ने बताया कि पार्वती की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें स्वीकार किया। हिमालय के आँगन में देवताओं, ऋषियों और गंधर्वों की उपस्थिति में यह अलौकिक विवाह सम्पन्न हुआ। शिवजी की अनोखी बारात और उनका विरक्त स्वरूप देखकर सभी आश्चर्यचकित हुए, किंतु पार्वती ने उन्हें सच्चे रूप में पहचान कर वरण किया। महाराज ने कहा कि यह विवाह शिव और शक्ति, प्रकृति और पुरुष के पवित्र मिलन का प्रतीक है, जो संसार को संतुलन और कल्याण का संदेश देता है। शाम 7 बजे काशी गंगा जी कि आरती कि तर्ज पर नर्मदा जी कि आरती हुई जिसमें सेकड़ो महिलाओं सहित भक्तों ने धर्म लाभ लिया। प्रसाद वितरण के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर यज्ञ आचार्य डॉक्टर गंगाधर पांडे जी महाभाग, पंडित श्रवण मिश्र जी महाभाग, पंडित अतुल मिश्र जी महाभाग, आचार्य तरुण तिवारी जी महाभाग, पंडित सुभाष सकलानी जी महाभाग , पंडित नारायण जी महाभाग, पंडित वृजमोहन शर्मा जी महाभाग, सेवक राम गुप्ता, मलय गुप्ता , वैभव जोशी, नरेन्द्र जायसवाल, तुषार त्रिवेदी , आदि उपस्थिट रहे।